# वीयू–राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत हुए शोध पत्र

पशु आंतरिक एवं प्रतिरोधक औषधि विषयक छठवाँ वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का दूसरा दिन आज विश्वविद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत कंपेनियन एनिमल इंटरनल मेडिसिन सत्र से हुई जिसमें प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दो मुख्य शोध पत्र लीड पेपर प्रस्तुत किए गए। इन शोध पत्रों में वेटेरिनरी आंतरिक एवं प्रतिरोधक औषधि के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसके बाद फार्म एनिमल प्रिवेंटिव मेडिसिन सत्र आयोजित किया गयाए जिसमें दो मुख्य शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा 31 शोध सारांश (एब्स्ट्रैक्ट) प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों में पशु रोग नियंत्रण, झुंड स्वास्थ्य प्रबंधन एवं फार्म जैव सुरक्षा से संबंधित नवीनतम अनुसंधानों पर प्रकाश डाला गया। तीसरे सत्र में कम्पैनियन एनिमल प्रिवेंटिव मेडिसिन पर चर्चा हुई जिसमें तीन मुख्य शोध पत्र एवं 43 शोध सारांश प्रस्तुत किए गए। इस सत्र में पालतू पशुओं के स्वास्थ्य, उभरते जूनोटिक रोगों एवं निवारक स्वास्थ्य देखभाल के नवीन आयामों पर विचार विमर्श किया गया।

मौखिक प्रस्तुतियों के अतिरिक्त एक पोस्टर सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने विभिन्न विषयगत श्रेणियों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए फार्म प्रिवेंटिव मेडिसिन – 41, फार्म इंटरनल मेडिसिन – 20, कम्पैनियन प्रिवेंटिव मेडिसिन – 52, कम्पैनियन इंटरनल मेडिसिन – 54, अल्टरनेटिव मेडिसिन – 38, पूरे दिन चले वैज्ञानिक विमर्शों में देशभर के शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन चर्चाओं ने पशु चिकित्सा एवं पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार, सहयोग एवं ज्ञान के आदान.प्रदान को प्रोत्साहित किया। सत्रों के दौरान हुए संवाद और चर्चाए निवारक स्वास्थ्य देखभाल एवं फार्म एवं पालतू पशुओं के प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक कदम साबित हुई। आज के सत्र के अंत में उद्योग–शैक्षणिक संवाद **(Industry–Academia Interaction)** भी आयोजित किया गयाए जिसमें पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उद्योग और अकादमिक विशेषज्ञों के बीच सहयोग के अवसरों पर सार्थक चर्चा हुई।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर